सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 1 | अंक 22 | अजमेर, शुक्रवार 10 मई 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

जैनाचार्य सुनील सागर आरएसएस कार्यकर्ताओं संग पहुंचे अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर। जैनाचार्य सुनील सागर जी महाराज ने मंगलवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं के साथ पुरातत्व महत्व के स्थल ढाई दिन झोपड़ा का अवलोकन किया।

महाराज सुबह 6.30 बजे अचानक वहां पहुंच गए। इससे मुस्लिम बहुल इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर मौजूद मुस्लिमों ने उनके प्रवेश पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह मस्जिद है और इसमें जैन सन्त दिगम्बर अवस्था में प्रवेश नहीं कर सकते। इस पर विहिप नेताओं ने कहा कि यह ऐतिहासिक धरोहर भारत सरकार के अधीन है और इसमें प्रवेश के लिए किसी को रोका नहीं जा सकता है। बाद में आपसी समझाइश से वे जैन सन्तों के प्रवेश को लेकर रजामंद हुए।अढ़ाई दिन का झोपड़ा पूर्व में संस्कृत पाठशाला था जिसे कुतुबुद्दीन ऐबक के समय तोड़फोड़ कर अढ़ाई दिन का झोपड़ा का स्वरूप दे दिया गया था। यह स्मारक भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग के अधीन है और यहां पर्यटकों एवं दर्शकों का प्रवेश निःशुल्क है। इसके बावजूद यहां कुछ लोग आमजन को प्रवेश से रोकते हैं।

यह सांस्कृतिक धरोहर को देखने के लिए जैनाचार्यअपने संघ सहित 100 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के साथ नसियां से रवाना हुए। देहली गेटए दरगाह बाजार होते हुए अढाई दिन झोपड़ा पहुंचे। उन्होंने परिसर का अवलोकन किया। यहां

एएसआई का दफ्तर भी है जिसमें कई मूर्तियां रखी हुई हैं।धार्मिक सांस्कृतिक धरोहर को देखकर जैनाचार्य ने कहा कि निश्चित रूप से यहां मंदिर एवं संस्कृत पाठशाला केअवशेष हैं। आपसी सहमति से भारतीय संस्कृतिए श्रमण संस्कृति और संस्कृत पाठशाला का गौरव पुनर्स्थापित होना चाहिए।इतिहास गवाह है कि किस तरह से हमारे पूर्वजों ने धर्म संस्कृति को बनाए रखा। इतिहास के पन्नों को टटोला जाए तो हमारी पौराणिक संस्कृति हमारे इतिहास का परिचय दे देगी।

यहां संस्कृत पाठशाला एवं मंदिर के पौराणिक अवशेष के संकेत आज भी पारदर्शित होते हैं। यहां खुदाई और सर्वे हो तो और भी जैन मूर्तियां एवं सांस्कृतिक अवशेष मिलेंगे। अवलोकन के पश्चात जैन सन्त पुनः लौट आए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शशि प्रकाश इंदौरिया संजय तिवारी तुलसी सोनी प्रदीप पाटनी आदि भी आदि जैनाचार्य के साथ रहे।

अजमेर में जैन संतों ने ऐतिहासिक किला संग्रहालय का किया अवलोकन

अजमेर। अढ़ाई दिन का झोंपडा अवलोकन के एक दिन बाद जैनाचार्य सुनील सागर जी महाराज दिगम्बर सन्तों जैन संघ श्रावक.श्राविकाओं विश्व हिन्दू परिषद व सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ सुबह 8 बजे छोटा घड़ा नसीया जी से नया बाजार स्थित ऐतिहासिक किला संग्रहालय मैगजीन पहुंचे।महाराज ने सबसे पहले जहांगीर द्वारा अंग्रेज अफ्सर सर टामस रो को जिस झरोखे से भारत में व्यापार करने की अनुमति दी गई उसका अवलोकन किया। हल्दीघाटी युद्ध की अकबर द्वारा बनाई गई योजना स्थल के साथ साथ अनेकों देवी देवताओं तीर्थंकरों की अति प्राचीन मूर्तियों ईसा पूर्व भारतीय मुद्रा अस्त्र-शस्त्र वस्त्र आदि देख कर महाराज ने हमारी अति प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों विरासतों द्वारा युवा पीढ़ी को संस्कारवान चरित्र वानए शौर्य वान बनाने पर बल दिया।इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के प्रान्त सह मंत्री एडवोकेट शशि प्रकाश इन्दोरिया, विनीत जैन, सुनील दत्त जैन, राजेन्द्र लालवानी, धनेश गोयल, जितेन्द्र सिंह रूण्डल, रोहित यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अन्त में संग्रहालय प्रभारी और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया गया। महाराज ने सरावगी मोहल्ला व आसपास के अति प्राचीन जैन मंदिरों का भी अवलोकन किया।

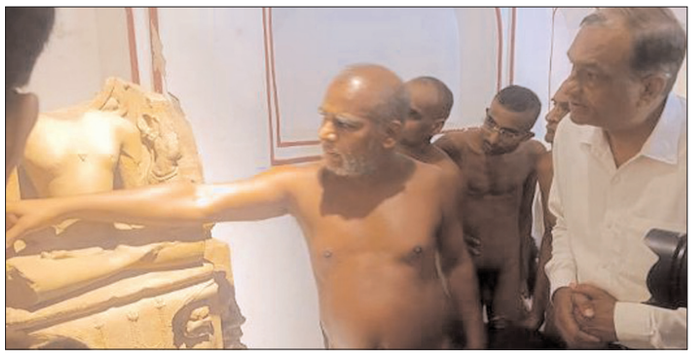

मुस्लिम आक्रांताओं के मजहबी उन्माद का साक्षी अढ़ाई दिन का झौपड़ा

अजमेर। अढ़ाई दिन का झोपड़ा आजकल चर्चा में है। सात मई को जैन आचार्य सुनील सागर ने यहां विहार किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत पाठशाला एवं मंदिर के पौराणिक अवशेष के संकेत यहाँ आज भी दिखते हैं। इससे पहले 9 जनवरी 2014 को सांसद रामचरण बोहरा ने इसे इस्लामिक आतंक की दासता का प्रतीक बताते हुए पर्यटन व संस्कृति मंत्रालय को एक पत्र लिखा थाए जिसमें इसके मूल स्वरूप ;संस्कृत विद्यालय व देवालय में परिवर्तित करने के विचारार्थ आग्रह था।इतिहास की छात्रा रुचिका कहती हैं कि वास्तव में आज हमारे ऐतिहासिकए धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्मारकों की जो स्थिति हैए उससे किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता है। स्वाधीनता के दशक बीत जाने के बाद भी किसी सरकार ने उनकी सुध नहीं ली। उल्टा संवैधानिक रूप से भी उन्हें अपनी मनमानी पर छोड़ देने की व्यवस्था कर ली। संविधान का अनुच्छेद 49 कहता है कि रा'य राष्ट्रीय महत्व के प्रत्येक स्मारकए स्थान और वस्तु का संरक्षण करेगाए जिसे बाद में संसद द्वारा बनाई गई विधि द्वारा या उसके अधीन राष्ट्रीय महत्व वाले घोषित किए गए प्रत्येक स्मारकए स्थान और वस्तु का संरक्षण करना रा'य की बाध्यता होगी. कर दिया गया। वह कहती हैंए आज स्थिति यह है कि अधिकांश मंदिरए किले बावड़ियां अतिक्रमण का शिकार हैं या खंडहर हो रहे

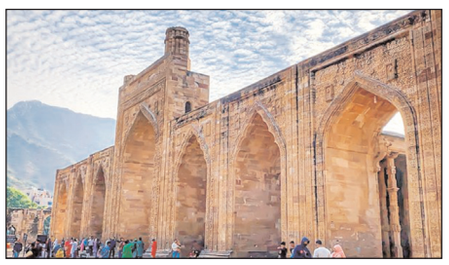

हैं। हालांकि अढ़ाई दिन का झोपड़ा 1919 से संरक्षित हैए लेकिन इसे इसका पुराना गौरव लौटाने की चेष्टा किसी सरकार ने नहीं की। यह आज भी मुस्लिम आक्रांताओं के मजहबी उन्माद की गवाही दे रहा है।

क्या है अढ़ाई दिन का झोपड़ाः-इतिहासकारों के अनुसार मूल रूप से यह सरस्वती कण्ठाभरण विद्यापीठ नामक संस्कृत अध्ययन का एक केन्द्र थाए जिसमें सरस्वती के मंदिर के साथ एक संस्कृत महाविद्यालय था। इस विद्यापीठ का निर्माण महाराजा विग्रहराज चतुर्थ ने करवाया था। उनकी राजधानी अजयमेरु ;वर्तमान अजमेरद्ध थी। इतिहासकारों के अनुसारए मूल इमारत का आकार चौकोर था। इसके चारों कोनों पर एक मीनार थी। भवन के पश्चिम में माता सरस्वती का मंदिर था। 19वीं शताब्दी मेंए उस स्थान पर एक शिलालेख मिला थाए जो 1153 ईण् पूर्व का बताया जाता है। इससे यह अनुमान लगाया गया कि मूल भवन का निर्माण 1153 के आसपास हुआ होगा। जबकि कुछ स्थानीय जैन किंवदंतियों के अनुसार यह इमारत सेठ वीरमदेव कला द्वारा 660 ईण् में बनवायी गई। यह एक पंच कल्याणक ;जैन तीर्थ था।

क्यों कहते हैं इसे अढ़ाई दिन का झोपड़ाः-1192 ई में तराइन के दूसरे युद्ध में महाराजा पृथ्वीराज चौहान की हार के बाद मुहम्मद गोरी ने अजमेर पर कब्जा कर लिया और अपने सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक को मंदिर तोड़ने के आदेश दे दिए। मोहम्मद गोरी मंदिर परिसर में यथाशीघ्र नमाज पढ़ना चाहता था। कुतुबुद्दीन ऐबक को मंदिर तोड़कर इस्लामिक संरचना बनाने में अढ़ाई दिन का समय लगाए इसलिए इसे अढ़ाई दिन का झोपड़ा कहा जाता है। कुछ लोग इसे पंजाबशाह बाबा के उर्स से भी जोड़ते हैंए जो ढाई दिन चलता है।

इमारत की स्थापत्य कलाः-वर्तमान में यहां उस समय की जैन और हिन्दू दोनों स्थापत्य कलाओं के दर्शन होते हैं। इमारत में पत्थरों पर कई साहित्यिक कृतियां उकेरी हुई हैं जिनमें ललिता विग्रहराज नाटिका और हरिकेली नाटिका के अंश सम्मिलित हैं। ललिता विग्रहराज नाटिका को सम्राट विग्रहराज चौहान के सम्मान में उनके दरबारी कवि सोमदेव ने संगीतबद्ध किया था। इस नाटिका के अनुसार उनकी सेना में 10 लाख सैनिकए 1 लाख घोड़े और 1000 हाथी शामिल थे। हरिकेली नाटिका सम्राट विग्रहराज द्वारा लिखित है।झोपड़े की केंद्रीय मीनार में एक शिलालेख है जिसमें झोपड़े के पूरा होने की तारीख जुमादा II 595 AH के रूप में अंकित है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह तारीख अप्रैल 1199 ई. है। झोपड़े की दक्षिणी मीनार पर कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर अहमद इब्न मुहम्मद अल.अरिद के नाम का एक शिलालेख है। झोपड़े में 25 फीट ऊंचे 70 खंभे हैं जो आज भी मंदिर होने का प्रमाण देते हैं। अनेक रिपोर्टों से पता चलता है कि इसके निर्माण में 25-30 हिन्दू एवं जैन मंदिरों के खंडहरों का प्रयोग किया गया है।

अलेक्जेंडर कनिंघम की रिपोर्टः-अलेक्जेंडर कनिंघम को 1871 में ASI के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उसने Four reports made during the years 1862.63.64.65 में इमारत का विस्तृत वर्णन किया है। कनिंघम लिखता है कि स्थल का निरीक्षण करने पर उसने पाया कि यह कई हिन्दू मंदिरों के खंडहरों से बनाया गया था। इसका नाम अढ़ाई दिन का झोपड़ा इसके निर्माण की आश्चर्यजनक गति को दिखाता है और यह केवल हिन्दू मंदिरों की तैयार फ्री सामग्री के प्रयोग से ही संभव था। अब जब अढ़ाई दिन के झोपड़े का मामला एक बार उठा है तो देखते हैं सरकार इसे कितनी गम्भीरता से लेती है।

सम्पादकीय

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

मानवीय गतिविधियों और क्रिया.कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगाए सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा हैए जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव.जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल.संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत हैए दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र हैए जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक हैए पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकिए पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40ण्6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत हैए पिछले वर्ष वर्षा कम थीए विशेष रूप से दक्षिण भारत मेंए 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था. एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान मेंए सिंचाई भी प्रभावित हो रही हैए और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुएए आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका हैए जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है। लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेशए कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे रा'यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता हैए किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता हैघ् जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है।

ई-मित्र संचालक एक लाख रुपए की रिश्वत लेते अरेस्ट

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ;एसीबीद्ध ने जयपुर जिले में फागी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लसाड़िया में एक ई मित्र संचालक को गुरुवार को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई ;एसआईयू जयपुर को परिवादी ने शिकायत की कि उसके पिता की मृत्यु होने पर श्रमिक डायरी के आधार पर श्रम विभाग से क्लेम पास कराने की एवज में आरोपी एवं ई मित्र संचालक विश्राम गुर्जर एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग कर रहे हैं।इस पर एसीबी की टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद आरोपी विश्राम गुर्जर को परिवादी से एक लाख रुपए ;30 हजार रुपए भारतीय मुद्रा एवं 70 हजार रुपए डमी करेंसी की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के उपमहानिरीक्षक रणधीर सिंह के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है।

जल जीवन मिशन घोटाला में गहलोत ने सीबीआई जांच की मांग नहीं मानी -किरोड़ीलाल मीणा

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने कहा है कि प्रदेश में जल जीवन मिशन में घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय.भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के बाद अब केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है जबकि तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग नहीं मानी थी।

डॉ. मीणा ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन में हर घर नल से जल पहुंचाने का बीड़ा उठाया लेकिन राजस्थान में कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने इसमें हाथ बंटाने की बजाय 900 करोड़ का घोटाला किया। ईडी.एसीबी के बाद अब सीबीआई ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है।उन्होंने कहा कि मैंने पूर्ववर्ती सरकार से मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी लेकिन गहलोत ने इसे नहीं माना क्योंकि उनके संरक्षण में ही घोटाला हुआ। एफ्आईआर दर्ज कराने के लिए मैंने अशोक नगर थाने पर धरना भी दियाए जहां से मुझे गत 22 जून को जबरन हिरासत में लिया गया।

उन्होंने कहा कि अब सीबीआई जांच करेगी और जल जीवन मिशन में करोड़ों के घोटाले में लिप्त किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगीए चाहे वो कितना भी बड़ा रसूखदार क्यों नहीं हो। मोदीजी के हर कंठ की प्यास बुझाने के पवित्र कार्य में घपला कर कांग्रेस ने पाप किया हैए जिसकी सजा उसे भुगतनी ही होगी।

सीकर में पटवारी निकिता कुमारी 3000 रुपए की रिश्वत लेते अरेस्ट

सीकर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ;एसीबी ने सीकर जिले में फतेहपुर तहसील के उदनसर पटवार हल्का की पटवारी निकिता कुमारी को बुधवार को एक मामले में तीन हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की सीकर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि विरासत के आधार पर नामांतरण खोलने की एवज में आरोपी पटवारी निकता कुमारी द्वारा उनसे तीन हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है।

इस पर एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद आरोपी निकिता कुमारी को परिवादी से तीन हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के उपमहानिरीक्षक रणधीर सिंह के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी हैं। मेहरड़ा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि उन्हें एसीबी की टोल फ्री हेल्प लाईन नम्बर 1064 पर संपर्क कर भ्रटाचार के विरुद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। एसीबी वैध कार्य को कराने में पूरी मदद करेगी।

चंदौली में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से 4 की मौत

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई।पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के लाठ नंबर दो स्थित एक मकान में बुधवार रात सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर तीन सफाईकर्मी टैंक में गिर गए। इस दौरान मजदूरों को बचाने के चक्कर में भवन स्वामी का पुत्र भी टैंक में गिर गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग चारों को बाहर निकाले। इसके बाद तीन को जिला चिकित्सालय और एक को ट्रामा सेंटर ले गएए जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के लाठ नंबर दो निवासी भरतलाल जायसवाल के घर पर बुधवार की रात लगभग 12 बजे कालीमहाल निवासी सफाईकर्मी विनोद रावत ;35 वर्ष कुंदन 42 और लोहा ;23 सेप्टिक टैंक सफाई का कार्य कर रहे थे। लोगों के अनुसार टैंक लगभग 12 फुट गहरा था। तीनों सफाईकर्मी आधा टैंक साफकर चुके थे। इस दौरान तीनों मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आ गए। एक. एक करके तीनों मजदूर टैंक में गिर गए। सफाईकर्मियों को टैंक में गिरता देख भवन स्वामी का पुत्र अंकुर जायसवाल 23 उन्हें बचाने में जुट गया। इस दौरान अंकुर भी टैंक में गिर गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किसी प्रकार चारों को टैंक से बाहर निकाला।इसके बाद एक को ट्रामा सेंटर और तीन लोगों को जिला चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

अपनी ही पार्टी के पूर्व विधायक की बेटी की अस्मत से खेलता रहा सपा नेता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मरहूम पूर्व विधायक की बेटी की अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देने के आरोपी सपा नेता समेत चार लोगों के ख़िलाफ़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज़ किया है।पुलिस ने पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के संदर्भ में बुधवार को बताया कि पीड़िता का मायका सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में है। शादी कानपुर निवासी बड़े कारोबारी से हुई थी। चार अप्रैल 2019 को पिता के बीमार होने के दौरान पीड़िता मुरादाबाद आई हुई थी।

पीड़िता के पिता चूंकि लंबे समय तक समाजवादी पार्टी की राजनीति से जुड़े रहे हैंए इसलिए उनके पिता के पास काफ़ी लोगों का आना जाना रहता था। जिनमें से एक सपा नेता ने महिला से नज़दीकियां बढ़ा लीं और धोखे से रेप के दौरान मोबाइल से वीडियो बना लिए।उन्होने बताया कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी पिछले पांच साल से पीड़िता से ब्लेकमैल के साथ दरिंदगी करता चला आ रहा है। इस मामले में पीड़िता ने मंगलवार को सिविल लाइंस थाने में तहरीर देकर आरोपी सपा नेता समेत चार लोगों के ख़िलाफ़ नामज़द रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब चेहरे पर तेज़ाब डालने की धमकी भी दी जा रही है। आरोप है कि कथित दुष्कर्म के दौरान खींची गई अश्लील तस्वीरें डिलीट करने की ऐवज़ में आरोपी अब तक तीन करोड़ रुपए से अधिक की रक़म पीड़िता से हड़प चुका हैए फ़िर भी आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल करने की धमकी जारी हैं।इस तरह की आए दिन की धमकियों और डिमांड से परेशान होकर महिला ने सारे मामले से परिजनों को अवगत कराते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जाकर आपबीती सुनाई। इसके बाद सात मई 2024 की शाम छह बजे सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज हुआ। फ़िलहाल पुलिस ने पुलिस ने इस मामले में आरोपी सपा नेता आसिफ अली और उसके भाई समेत 4 लोगों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज की है। आरोपी सपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री का नज़दीकी होने के साथ ही युवजन सभा का पूर्व प्रदेश सचिव बताया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्रारंभिक कार्रवाई के तौर पर सिविल लाइंस थाने में आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी आधार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आध्यात्मिक व पुण्यबल बढ़ाने वाला त्यौहार है अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया का त्यौहार वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि पर मनाया जाता है।

अक्षय तृतीया की तिथि साढे तीन मूहूर्तों में से एक पूर्ण मुहूर्त है। इस दिन सत्ययुग समाप्त होकर त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ ऐसा माना जाता है। इस कारण से यह एक संधिकाल है। मुहूर्त कुछ ही क्षणों का होता है परंतु अक्षय तृतीया संधिकाल होने से उसका परिणाम 24 घंटे तक रहता है। इसलिए यह पूरा दिन ही अच्छे कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म बताता है सत्पात्र दान करना प्रत्येक मनुष्य का परम कर्तव्य है। सत्पात्र दान का अर्थ सत् के कार्य हेतु दान धर्म करना! दान देने से मनुष्य का पुण्यबल बढता हैए तो सत्पात्र दान देने से पुण्य संचय सहित व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है।अक्षय अर्थात जिसका कभी क्षय नहीं होता है। माना जाता है कि इस दिन जो भी पुण्य कर्म अर्जित किए जाते हैं उनका क्षय नहीं होता है। यही कारण है कि इस दिन शुभ विवाह गृह प्रवेश अथवा अन्य मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। जैसे गंगा स्नान भागवत का पाठ ऐसी मान्यता भी है कि सच्चे मन से अपनी गलतियों की क्षमा मांगने से ईश्वर क्षमा करते हैं तथा अपनी कृपा भी बरसाते हैं।इस दिन अपने भीतर के दुर्गुणों को भगवान के चरणों में अर्पित कर सद्गुणों को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। वृंदावन के बांके बिहारी जी के मंदिर में श्री विग्रह जी के चरणों के दर्शन भी इसी दिन होते हैं। इस दिन इनके चरणों से वस्त्र हटा दिया जाता है। जबकि पूरे वर्ष भर उनके चरणों को वस्त्र से ढंक दिया जाता है। श्री विग्रह के चरणों के दर्शन भी असीम कृपा का भाग है।इस दिन सत्पात्र को दान करना भी अत्यधिक पुण्य का कर्म है जिसका क्षय नही होता है तथा कहते हैं वस्त्र स्वर्ण आभूषण मुद्रा खरीदना भी शुभ होता है। इस दिन पितरों को किया गया तर्पण और पिंडदान अथवा अपने सामर्थ्य अनुरूप किसी भी प्रकार का दान अक्षय फल प्रदान करता है।

अक्षय तृतीया के दिन गौए भूमिए तिलए स्वर्णए घी, वस्त्र, धान्य, गुड़, चांदी, नमक शहद और कन्यादान करने का महत्व है। इस दिन जितना भी दान करते हैं उसका चार गुना फल प्राप्त होता है। इस दिन किए गए कार्य का क्षय नहीं होता है। यही कारण हैए इस दिन पुण्य प्राप्त करने का महत्व बहुत अधिक है।अक्षय तृतीया के दिन ही हयग्रीवए परशुराम और नर नारायण जैसे भगवान के अवतार प्रकट हुए थे। अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्मा एवं श्री विष्णु इन दो देवताओं का सम्मिलित तत्व पृथ्वी पर आता है जिससे पृथ्वी की सात्विकता दस प्रतिशत तक बढ़ जाती है।इस सात्विकता का लाभ लेने के लिए इस दिन स्नान, ध्यान, दान, भागवत पूजनए जपतपए हवन और पितृ तर्पण करना चाहिए। ऐसा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। साथ ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश वस्त्राभूषण को क्रय करना आदि शुभ कार्य भी बिना मुहूर्त देखे किए जा सकते हैं क्योंकि इस दिन की संपूर्ण अवधि ही शुभ मुहूर्त होती है।चूंकि इस दिन दान करने का बहुत महत्व हैए अतः धार्मिक कार्य करने वाले व्यक्तिए समाज में धर्म प्रसार करने वाली आध्यात्मिक संस्थाओं को दान करना चाहिए।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में काम करेगी रश्मिका मंदाना!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर में काम करती नजर आ सकती है।सलमन खान ने इस साल ईद के अवसर पर अपनी नई एक्शन.थ्रिलर फिल्म सिकंदर अनाउंस की थी। कहा जा रहा है कि सलमान खान एक्शन.थ्रिलर फिल्म सिकंदर का पहला शेड्यूल मई में शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन मुरुगादॉस करेंगे।कहा जा रहा है कि सलमान खान की एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर के लिए अभिनेत्री का नाम फाइनल हो गया है। रश्मिका मंदाना फिल्म सिंकदर में सलमान खान के अपोजिट काम करती नजर आ सकती हैं।माना जा रहा है कि रश्मिका मंदाना सुपरस्टार सलमान खान के साथ पहली बार काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार भी हैं। फिल्म सिकंदर का प्रोडक्शन साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं। सिकंदर अगले साल ईद 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोपाल में ईवीएम से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल केस दर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक व्यक्ति द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ;ईवीएम पर अपने नाबालिग बच्चे से वोट डलवा कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आते ही कलेक्टर ने संबंधित बूथ के पीठासीन अधिकारी को निलंबित कर आरोपी व्यक्ति पर मामला दर्ज करवाया गया है।आरोपी व्यक्ति विनय मेहर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। उससे जुड़ा वीडियो बुरुवार को ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ थाए जिसमें वह छोटे बच्चे से वोट डलवाते हुए दिखाई दे रहा है। कलेक्टर कार्यालय के एक्स हैंडल पर की गई पोस्ट के अनुसार बैरसिया विधानसभा में लोकसभा निर्वाचन से सम्बंधित घटनाक्रम पर संज्ञान लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बैरसिया मतदान केंद्र क्रमांक 71 खितवास पीठासीन अधिकारी संदीप सैनी भेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संबंधित व्यक्ति विनय मेहर पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है।ये वीडियो सामने आते ही कलेक्टर सिंह ने बैरसिया एसडीएम को जांच के आदेश दिए थे।सोशल मीडिया पर कांग्रेस के कई नेता इस वीडियो को वायरल कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने इसे पोस्ट करते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा ने चुनाव आयोग को बच्चों का खिलवाड़ बना दिया है।इसके साथ ही बबेले ने एक और वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया है कि गुना संसदीय क्षेत्र में एक बूथ पर भाजपा कोलारस विधायक का बेटा खुद महिलाओं के वोट डालता दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया है कि संबंधित वीडियो सात मई को गुना संसदीय क्षेत्र में हुए मतदान का है। गुना से केंद्रीय मंत्री 'योतिरादित्य सिंधिया भाजपा की ओर से चुनावी

Pratap IVF: Pioneering Affordable IVF Solutions with Strategic Backing from RFO, UAE

Pratap IVF, a trailblazer in reproductive healthcare, is poised to reshape access to fertility treatments both in India and globally. The global In Vitro Fertilization (IVF) market is projected to reach USD 51.73 billion by 2032, reflecting the growing demand for fertility solutions worldwide. Meanwhile, the IVF Services Market in India is anticipated to surge from USD 1,092.3 million in 2024 to USD 5,051.3 million by 2033, growing at a CAGR of 16.23% during the forecast period. This growth is a testament to the increasing accessibility and acceptance of fertility treatments in the region.Where Families Grow: Affordable IVF Solutions at Pratap IVF CenterBlueWeave Consulting, a leading strategic consulting and market research firm, estimated the Middle East and Africa In-Vitro Fertilization (IVF) Market size at USD 2.46 billion in 2023. This underscores the significant potential and growing relevance of regions like

the Middle East in the global IVF market landscape. In a landscape dominated by established names such as Indira IVF centers, Neelkanth, Nova IVF centers, and Cloud Nine, Pratap IVF distinguishes itself with its unwavering commitment to affordability without compromising on quality. With a vision to empower parenthood globally, Pratap IVF continues to lead the charge in revolutionizing reproductive healthcare.

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की नई स्विफ्ट, शुरूआती कीमत 6.49 लाख रुपए

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को चौथी पीढ़ी की प्रीमियम हैचबैक नई स्विफ्ट लॉन्च कीए जिसकी एक्स शोरूम कीमत 6ण्49 लाख रुपए से लेकर 9ण्64 लाख रुपए तक है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने इसे यहां आयोजित एक कार्यक्रम में लॉन्च करते हुए कहा कि बिल्कुल नया जेड.सीरीज़ इंजन एक भविष्यवादी पावरट्रेन है जो प्रदर्शन और स्थिरता का एक नया आयाम लाता हैए जो इसे सबसे कुशल हैचबैक बनाता है। इस कार के नये इंजन सहित पूरे विकास पर 1400 करोड़ रुपए की लागत आई है। हम अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनसे आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा बेहतर प्रदर्शन देने के लिए उन्नत तकनीकों को पेश करके भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में बदलाव लाना जारी रखेंगे।

कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ;विपणन और बिक्रीद्ध पार्थो बनर्जी ने कहा कि एपिक न्यू स्विफ्ट की शुरुआत के साथए हम समृद्ध विरासत का निर्माण कर रहे हैं और बेंचमार्क बढ़ा रहे हैं। क्रांतिकारी जेड.सीरीज़ इंजन उच्च ईंधन.दक्षता और कम उत्सर्जन के साथ प्रदर्शन को जोड़कर दोनों में सर्वश्रेष्ठ बनाता है।

इसमें 6 एयरबैग, सभी सीटों के लिए 3.पॉइंट सीटबेल्ट, ईएसपी,ईबीडी के साथ एबीएसए हिल होल्ड असिस्ट जैसी कई सुरक्षा सुविधाओं से लैसए एपिक न्यू स्विफ्ट लगातार बेहतर सुरक्षा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। फीचर से भरपूर केबिन के अलावाए ये एपिक न्यू स्विफ्ट को अपने सेगमेंट में सबसे आकर्षक ड्राइवर.उन्मुख उत्पाद बनाते हैं। कुल मिलाकर 50 नये फीचर दिये गये हैं।उन्होंने कहा कि जेड सीरीज का नया 1.2 लीटर इंजन चौथी पीढ़ी की स्विफ्ट को अपने सेगमेंट में सबसे अधिक ईंधन कुशल हैचबैक बनाता हैए जिसकी ऊर्जा दक्षता 25.75 किलोमीटर प्रति लीटर तक है। उन्होंने कहा कि नई कार पिछले संस्करण की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक ईंधन कुशल है और 12 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जित करती है।

उन्होंने कहा कि एक मई से इसकी बुकिंग शुरू की गई थी और अब तक 10 हजार बुकिंग मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि नई स्विफ्ट को मारुति सुजुकी सब्सक्राइब के माध्यम से 17.436 रुपए से शुरू होने वाले सभी समावेशी मासिक सदस्यता शुल्क पर भी खरीदा जा सकता है।

कल का सम्राट समाचार पत्र की नवस्थापित प्रिंटिंग प्रेस यूनिट का शुभारंभ

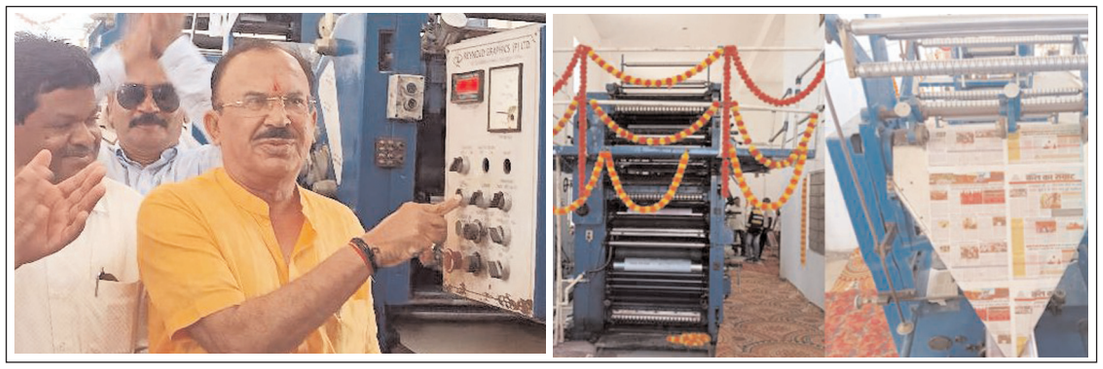

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और अजमेर उत्तर क्षेत्र के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि किसी भी समाचार पत्र की जनता के बीच विश्वसनीयता ही उसे लोकप्रिय बनाती है। आज के दौर में जनविश्वास जीतना चुनौती भरा काम है जिसे कल का सम्राट समाचार पत्र ने स्वीकार किया है।देवनानी गुरुवार को अजमेर के पालरा औद्योगिक क्षेत्र में कल का सम्राट समाचार पत्र की प्रिंटिंग मशीन यूनिट का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोल रहे थे। देवनानी ने विश्वास जताया कि अजमेर में पर्याप्त संख्या में समाचार पत्र होने के बावजूद कल का सम्राट समाचार पत्र अपने अलग कंटेंट और लेखनी से जनप्रिय बनेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने कहा कि अजमेर से प्रकाशित होने वाला कल का सम्राट न्यूज पेपर आने वाले समय में लोकप्रियता के शिखर को छुएगा ऐसी कामना करते हैं।कल का सम्राट समाचार पत्र के प्रकाशक संपादक विनोद कुमार गौतम ने बताया कि कल का सम्राट पिछले 12 साल से पाक्षिक समाचार पत्र के रुप में प्रकाशित हो रहा है जो जल्द ही नए कलेवर और उत्तम क्वालिटी की प्रिंटिंग के साथ दैनिक प्रकाशित होगा। गौतम ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।इससे पहले वासुदेव देवनानी व विकास चौधरी ने नवीन प्रिंटिंग प्रेस का बटन दबाकर यूनिट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सबगुरु न्यूज के संपादक विजय मौर्य, पत्रकार मुजफ्फर अली, रशिका महर्षि, गजेन्द्र बोहरा, विजय पाराशर, अखलेश जैन, अरुण बाहेती, उमा कांत जोशी, विजय निर्वाण राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय धानका समाज, फ्लक फाइनेंस के एनएस शेखावत, रवि राम कुमार, सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी जगदीश कुमार, अखिलेश यादव, अभय जैन, किशनगढ से चन्द्र प्रकाश, पुष्कर से नंद कुमार, केकड़ी से विनय कुमार, ब्यावर से हर्ष मनान, एवं विभिन्न अंचलों से आए पत्रकार व गणमान्यजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि पालरा औद्योगिक क्षेत्र में चौधरी कांटे के पास कल का सम्राट समाचार पत्र की 12 पेज की ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस यूनिट स्थापित की गई है। इस अवसर पर प्रिंटिंग यूनिट के प्रोडक्शन हेड ने बताया की हमारे यहा जॉब भी उपलब्ध रहेगा। पाक्षिक दैनिक समाचार पत्र के प्रिंटिंग की पूरी व्यवस्था रहेगी।

आरपीएससी की सहायक आचार्य परीक्षा का आयोजन 16 से 24 मई तक

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक आचार्य पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक ;कॉलेज शिक्षा विभाग परीक्षाए 2023 के तहत 27 विभिन्न ऐच्छिक विषयों की परीक्षा का आयोजन 16 से 24 मई 2024 तक और 28 मई से दो जून 2024 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।अजमेर मुख्यालय पर आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा सुबह नौ से 12 बजे तक प्रश्न पत्र. प्रथम एवं दोपहर 2.30 बजे से 5.30 बजे तक प्रश्न पत्र. द्वितीय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न.पत्र के लिए ओएमआर उत्तर पत्रक के पाँचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के प्रवेश.पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश.पत्र डाउनलोड कर लें। प्रवेश.पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन.पत्र क्रमांक एवं जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकेंगे।

इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश.पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा के लिए आवंटित जिले की जानकारी परीक्षा दिनांक से सात दिवस पूर्व एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त की जा सकेगी।परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जायेगा। इसके पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114
Email ID sabgu-runews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 858वीं जयंती का मुख्य समारोह 2 जून को

अजमेर। देश की एकता एवं अखण्डता की रक्षार्थ विदेशी विधर्मी आक्रांताओं से जीवन पर्यन्त संघर्ष करते हुए जीवन की आहुति देने वाले वीर शिरोमणी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 858वीं जयन्ती ज्येष्ठ कृष्णा द्वादश को मनाई जाएगी।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान समारोह समिति की गुरुवार को स्वामी कॉम्पलेक्स में हुई बैठक में इस मौके पर खेलकूद, संगोष्ठी, मुख्य आयोजन व पुष्पाजंलि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।1 जून शाम 5 बजे संगोष्ठी का आयोजन राजपूताना संग्रहालय नया बाजार में होगा। जयंती की पूर्व संध्या पर मुख्य समारोह में 2 जून को शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण होगा। तारागढ़ पर्वत श्रृंखला पर स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक पर भव्य एवं गरिमापूर्ण समारोह मनाया जाएगा। स्मारक पर 3 जून को सुबह 6.30 बजे पुष्पाजंलि कार्यक्रम होगा।सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राईफल शूटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन करणी स्पोटर्स शूटिंग एकडमी के तत्वावधान में 23 मई को चन्द्रवरदाई नगर स्थित एकडमी रैंज पर होगा।

आयोजन सचिव हिम्मत सिंह राठौड के अनुसार इसमें 100 से 150 प्रतियोगी भाग लेंगे।हिलव्यू टेनिस एकडमी राजपूत हॉस्टल कुंदन नगर के तत्वावधान में 27 से 31 मई तक सम्राट पृथ्वीराज चौहान हिलव्यू टेनिस प्रतियोगिता होगी। आयोजन सचिव राहुल सिंह चौहान के अनुसार इसमें 8 पुरूष व महिला वर्ग के मुकाबले होंगे।सभी कार्यक्रमों में अजमेर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, पर्यटन विभाग, भारतीय इतिहास संकलन समितिए पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक शोध केन्द्र मदस विश्वविद्यालय, भारत विकास परिषद मुख्य व समारोह समिति का सहयोग रहता है।

बैठक में सम्पत सांखला, कंवल प्रकाश, विनीत लोहिया, डॉ. अरविंद पारीख, शिव प्रसाद गौतम, महेन्द्र कुमार तीर्थाणी,डॉ. राजू शर्मा, रामस्वरूप कुड़ी, पुरूषोतम तेजवानी, विक्रम सिंह, दुर्गा प्रसाद शर्मा, जितेन्द्र कुमार जोशी सहित समारोह समिति के बंधु उपस्थित थे।

अजमेर:आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन 15 मई से

अजमेर। आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन 15 मई से भरे जाएंगे। आईटीआई रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर युवाओं को नौकरी तथा स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद ;एनसीवीटी एवं राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद एससीवीटी के अन्तर्गत तथा प्राईवेट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद ;एनसीवीटी के अन्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया द्वारा प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 15 मई से आमंत्रित किए गए है।राजस्थान सरकार के एकीकृत एसएसओ पोर्टल अथवा ई.मित्र कियोस्क के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन फार्म भरने की प्रारम्भ तिथि 15 मई है। ऑनलाईन आवेदन फॉर्म भरने आवेदन एवं प्रोसेस शुल्क ई.मित्र के माध्यम से जमा कराने की अन्तिम तिथि 10 जुलाई है। महिलाओं के लिए प्रशिक्षण निःशुल्क है।

उन्होंने बताया कि आईटीआई के दो वर्षीय पाठ्यक्रम के साथ प्रशिक्षणार्थी को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं तथा 12वीं उत्तीर्ण समकक्षता का प्रावधान है। युवाओं को आईटीआई में प्रवेश के लिए नियमानुसार आरक्षण की व्यवस्था भी हैं। संस्थान में प्रचलित व्यवसाय इलैक्ट्रीशियन, फिटर, इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक, मैकेनिक डीजल, रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडिशनिंग टेक्नीशियन, वायरमैन, मैकेनिक मोटर व्हीकल, वेल्डर, स्टेनोग्राफर एण्ड सेक्रेट्रियल असिस्टेन्ट ;हिन्दी एवं अंग्रेजी कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रोगामिंग असिस्टेंट, कॉस्मेटोलॉजी इत्यादि हैं। इसके अतिरिक्त भी विभिन्न रोजगारपरक व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है।उन्होंने बताया प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु एक सितम्बर.2024 को 14 वर्ष या 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। प्रवेश के लिए विभिन्न व्यवसायों की प्रवेश योग्यता 8वीं एवं 10वीं कक्षा उत्तीर्ण है। ऑनलाईन आवेदन का प्रोसेस शुल्क एससी एवं एसटी अभ्यर्थी के लिए 175 रूपए एवं अन्य अभ्यर्थी के लिए 200 रूपए निर्धारित है। अभ्यार्थी वेबसाईट लिंक www. hteapp. hte.rajasthan.gov.in/iti_admission का अवलोकन कर प्रवेश के लिए संस्थानों द्वारा ली जाने वाली फीस इत्यादि की नवीनतम जानकारी प्राप्त कर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। यह पोर्टल 15 मई से सक्रिय होगा। राजकीय एवं प्राईवेट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में सत्र 2024.25 एवं 2026 में प्रवेश के लिए केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया एवं सीट आवंटन की महत्वपूर्ण तिथियोंए प्रवेश सम्बन्धी विस्तृत सूचनाएं एवं प्रवेश विवरणिक विभाग की वेबसाईट http://dot.rajasthan.gov.in पर तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में भी उपलब्ध है।

गर्मी एवं लू के कारण अजमेर के स्कूलों का समय 12 बजे तक

अजमेर। जिले में वर्तमान में गर्मी एवं लू का प्रकोप बढा है। आगामी दिनों में इसके बढते प्रकोप की सम्भावना के मद्देनजर एवं बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए स्कूलों समय में बदलाव कियागया है।

जिला कलक्टर डॉ.भारती दीक्षित ने बताया कि जिले में सचालित समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों सीबीएसई सहित में गुरूवार 9 मई से कक्षा 12 तक की समस्त कक्षाएं दोपहर 12 बजे तक ही संचालित होगी।

सभी विद्यालयों में ग्रीष्मवकाश शिविरा पंचांग के अनुसार 17 मई से यथावत रहेगा। आदेश की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

तीर्थ सरोवर पुष्कर में डूबते युवक को बचाया

पुष्कर। अमावस्या के मौके पर तीर्थ सरोवर के मुख्य गउघाट पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पडी। इसी दौरान एक श्रद्धालु युवक सरोवर में डूबने लगा। परिजनों का शोर सुनकर वहां मौजूद तीर्थ पुरिहितों ने तत्परता दिखाते हुए समय रहते युवक को सुरक्षित बाहर निकाल कर उसकी जान बचाई।

स्थानीय पुरोहितों ने बताया कि बुधवार सुबह गउघाट के कुड में स्नान कर रहे युवक को संतुलन बिगडने से वह गहरे पानी में चला गया। इस दौरान घाट पर मौजूद पुरोहित यशवंत पाराशर ने तुरंत सरोवर में छलांग कर युवक को कुछ ही क्षणों में सुरक्षित बाहर निकाल लिया। युवक के परिजनों व मौजूद श्रद्धालुओं ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)